ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 28-01-2022

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-01-28 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2022-01-29	2022-01-30	2022-01-31	2022-02-01	2022-02-02
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	10.0	12.0	12.0	13.0	12.0
न्यूनतम तापमान(से.)	0.0	1.0	2.0	1.0	2.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	65	55	50	45	45
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	80	80	75	75	65
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6.0	6.0	8.0	6.0	6.0
पवन दिशा (डिग्री)	320	320	320	320	320
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	1	0	0	1

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी पांच दिनों में मौसम साफ रहेगा। अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमश: 10.0 से 13.0 व 0.0 से 2.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा| हवा के 6.0-8.0 किमी/घंटे की गति से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने का अनुमान है। 28 से 30 जनवरी को पहाड़ी इलाकों में कहीं-कहीं पाला पड़ने की चेतावनी है| ईआरएफएस के अनुसार, 2 से 8 फरवरी के दौरान राज्य में वर्षा सामान्य से अधिक, अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य से कम रहने का अनुमान हैं।

सामान्य सलाहकार:

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त एनडीवीआई व एसपीआई मानचित्रों ने संकेत दिया कि नैनीताल के लिए एनडीवीआई 0.2-0.5 के बीच है, यानी जिले में कृषि स्थिति मध्यम से अच्छी है तथा एसपीआई मानचित्र 30 दिसम्बर 2021 से 26 जनवरी 2022 तक नैनीताल जिले में अत्यधिक नमी की स्थिति दर्शाता है। किसान भाई पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान और मौसम आधारित कृषि सलाह प्राप्त करने के लिए "मेघदूत ऐप" तथा आकाशीय बिजली के पूर्वानुमान हेतु "दामिनी एप" डाउनलोड करें। मेघदूत व दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ताओं) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ताओं) से डाउनलोड किया जा सकता है| आगामी दिनों में मौसम साफ रहेगा, इसलिए किसान खेत में सिंचाई और खाद डाल सकते हैं।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी पांच दिनों में मौसम साफ रहेगा। 28 से 30 जनवरी को पहाड़ी इलाकों में कहीं-कहीं खेतों में पाला पड़ सकता है अतः किसान भाई फसलो को पाले से बचाने हेतु हल्की सिंचाई करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	गेहूँ की फसल मे पीला रतुवा रोग का प्रकोप दिखाई पड़ने पर प्रोपीकोनाजोल 25 ई0 सी0 का 1 मिली/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। रसायनों का छिड़काव मौसम साफ रहने पर करें।
सरसों	सरसों में स्क्लेरोटिनिया सड़ांध दिखाई देने पर, संक्रमित पौधे को हटाकर जला दें और कार्बेन्डाजिम का 1 ग्राम/लीटर पानी की दर से छिड़काव मौसम साफ होने पर करें।
चना	चना में फलीबेधक के नियंत्रण हेतु, क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5 एस एल के 125 मिली या इमामेक्टिन बेंजोएट 5 एस जी का 220 ग्राम, 500-600 लीटर पानी में घोल कर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।
मसूर की दाल	मसूर में फलीवेदक कीट का प्रकोप होने पर फूल आते समय मैलाथियान 50 ई0सी0 के 2.0 लीटर अथवा क्यूनालफास 25 ई0सी0 1.5 लीटर/है0 की दर से 500-600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
जौ	फसल मे पीला रतुवा रोग का प्रकोप दिखाई पड़ने पर प्रोपीकोनाजोल 25 ई0 सी0 का 1 मिली/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। रसायनों का छिड़काव मौसम साफ रहने पर करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
टमाटर	अगर फसल के पौधों में, फूली हुई रोएदार वृद्धि जैसा, दिखाई दे तथा पौधे सूख रहे हो तो यह स्क्लेरोटिनियल सड़ान्ध है। अतः संक्रमित पौधे को हटाकर जला दें। पछेती झुलसा का प्रकोप होने पर, मैनकोजेब 64% + सायमोक्सैनिल 8% डब्ल्यूपी का 2.5 ग्राम प्रति लीटर की दर से छिड़काव मौसम साफ होने पर करें।
आलू	आलू में पछेती झुलसा का प्रकोप होने पर, मैनकोजेब 64% + सायमोक्सैनिल 8% डब्ल्यूपी का 2.5 ग्राम प्रति लीटर की दर से छिड़काव मौसम साफ होने पर करें।
सब्जी पीईए	मटर की फसल मे रतुए का प्रकोप होने पर, ट्राईएडीमेफॉन 25% डब्ल्यूपी का 1 ग्राम/लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	पशुओं को प्रारम्भिक अवस्था के हरे चारे को न खिलायें ताकि उन्हे लेक्टेशन टिटेनी नामक बिमारी न हो सके। पशुओं को सर्दी से बचाने के लिए, पशुओं की आवास व्यवस्था को सुदृढ़ करें व आहार में गर्म चीजें दें। पशुओं को बिना पानी में मिलाए ही गुड़ के साथ अजवाइन का सेवन कराना चाहिए। यह उन्हें गर्मी और ऊर्जा देता है।
गाय	पशुओं को सर्दी से बचाने के लिए, पशुओं की आवास व्यवस्था को सुदृढ़ करें व आहार में गर्म चीजें दें। पशुओं को बिना पानी में मिलाए ही गुड़ के साथ अजवाइन का सेवन कराना चाहिए। यह उन्हें गर्मी और ऊर्जा देता है।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	मुर्गियों में फफूँदजनित आहार देने से अपलाटॉक्सीकोशिस हो जाती है जिसकी वजह से काफी संख्या में उनकी मृत्यु होने की संभावना होती है। ऐसे में मुर्गियों को पशुचिकितसक की सलाह से दवा दें।